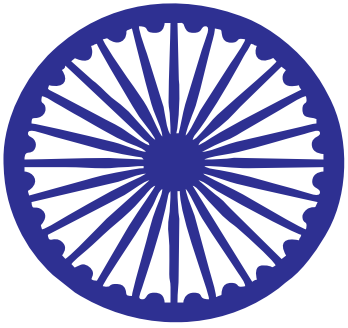




नवसर्जन संस्कृति

PRGI No. GJHIN/25/A2786

नवसर्जन संस्कृति

PUBLISHED HIINDI DAILY FROM AHMEDABAD

वर्ष : 01

अंक : 262

दि. 25.06.2026,

गुरुवार

पाना : 04

किंमत : 00.50 पैसा

शिवसेना विवाद फिर गरमाया, उद्धव गुट पहुंचा लोकसभा अध्यक्ष के पास; बागी सांसदों पर फैसला रोकने की मांग

नई दिल्ली। महाराष्ट्र की राजनीति में शिवसेना के भीतर जारी विभाजन एक बार फिर तीखे मोड़ पर पहुंच गया है। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) गुट ने अपने छह सांसदों के शिंदे गुट में शामिल होने के बाद लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से हस्तक्षेप की मांग की है। पार्टी का कहना है कि बागी सांसदों के मामले में कोई भी अंतिम निर्णय लेने से पहले उनका पक्ष पूरी तरह सुना जाना चाहिए। इस घटनाक्रम ने संसद से लेकर राजनीतिक गलियारों तक नई बहस छेड़ दी है और विपक्ष ने इसे लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर गंभीर सवाल के रूप में पेश किया है।

उद्धव गुट की ओर से लोकसभा सांसद Arvind Sawant ने संसद में लोकसभा अध्यक्ष से मुलाकात कर यह आग्रह किया कि दलबदल से जुड़े किसी भी मामले में संविधान के प्रावधानों का पालन पूरी तरह सुनिश्चित

किया जाए। उन्होंने कहा कि यदि किसी सांसद के खिलाफ दलबदल से जुड़ा कोई दावा या पत्र प्राप्त होता है, तो उस पर निर्णय लेने से पहले संबंधित पक्ष को सुनवाई का पूरा अवसर दिया जाना चाहिए। सावंत ने यह भी बताया कि उन्होंने पहले भी इस मुद्दे पर अध्यक्ष से मुलाकात की थी और अपनी पार्टी की चिंताओं से अवगत कराया था। सावंत के अनुसार, वर्तमान में स्थिति यह है कि उनकी पार्टी के छह सांसदों के शिंदे गुट में शामिल होने के बाद संगठनात्मक और राजनीतिक स्तर पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में किसी भी जनप्रतिनिधि के दलबदल से पहले प्रक्रिया और नियमों का पालन अनिवार्य है, ताकि जनता के जनदेश का सम्मान बना रहे। लोकसभा अध्यक्ष से हुई बातचीत में उन्हें यह जानकारी दी गई कि फिलहाल इस मामले में कोई



औपचारिक पत्र या शिकायत प्राप्त नहीं हुई है।

इस पूरे मामले पर विपक्षी दल कांग्रेस ने भी तीखी प्रतिक्रिया दी है। कांग्रेस

केंद्र सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि यदि कोई सांसद अपनी पार्टी छोड़कर किसी अन्य दल में जाना चाहता है तो उसे पहले अपनी सदस्यता से इस्तीफा देना चाहिए और फिर नए जनादेश के लिए चुनाव लड़ना चाहिए। उनके अनुसार, बिना इस्तीफा दिए दल बदलना जनता के वोट का सीधा अपमान है और यह लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर करता है।

केंद्र सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि यदि कोई सांसद अपनी पार्टी छोड़कर किसी अन्य दल में जाना चाहता है तो उसे पहले अपनी सदस्यता से इस्तीफा देना चाहिए और फिर नए जनादेश के लिए चुनाव लड़ना चाहिए। उनके अनुसार, बिना इस्तीफा दिए दल बदलना जनता के वोट का सीधा अपमान है और यह लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर करता है।

बयानबाजी और तेज हो गई है। बागी सांसदों में शामिल संजय दीना पाटिल को लेकर भी विवाद गहरा गया है। पार्टी की नेता Sushma Andhare ने उन पर निशाना साधते हुए कहा कि वाई प्लस सुरक्षा मिलने के बाद उनके बयानों और व्यवहार में बदलाव देखा गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ नेता सुरक्षा और राजनीतिक संरक्षण मिलने के बाद पार्टी के मूल सिद्धांतों से दूर हो रहे हैं।

तेजस एक्सप्रेस में खाने में गिरी मक्खी, कैटरिंग कंपनी पर एक लाख रुपये का जुर्माना; लाइसेंस रद्द करने की कार्रवाई शुरू

नई दिल्ली। देश की प्रीमियम रेल सेवाओं में शामिल Tejas Express एक बार फिर चर्चा में है, लेकिन इस बार वजह उसकी स्पीड या लम्बी नहीं बल्कि खाने की गुणवत्ता को लेकर उठी गंभीर लापरवाही है। अहमदाबाद से मुंबई सेंट्रल के बीच चलने वाली इस ट्रेन में एक यात्री को परोंसी गईं वेज बिरयानी में मक्खी मिलने की शिकायत सामने आने के बाद रेलवे प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए कैटरिंग सेवा प्रदाता पर एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया है और उसके लाइसेंस को रद्द करने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। इस घटना ने न केवल रेलवे की कैटरिंग व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं बल्कि यात्रियों की सुरक्षा और स्वच्छता मानकों को लेकर भी गंभीर बहस छेड़ दी है। घटना उस समय सामने आई जब ट्रेन संख्या 82902 अहमदाबाद-मुंबई सेंट्रल तेजस एक्सप्रेस अपने निर्धारित मार्ग पर यात्रा कर रही थी। यात्रा के दौरान यात्री को कॉन्को मील के तहत वेज बिरयानी परोंसी गई। खाना शुरू करने से पहले ही यात्री की नजर प्लेट में मौजूद एक मक्खी पर पड़ी, जिसके बाद उसने तुरंत सस बात की शिकायत ट्रेन स्टाफ से की। यह शिकायत देखते ही ट्रेन में मौजूद अधिकारियों ने हड़कंप मच गया और तुरंत मामले की जांच शुरू की गई।



किया और यात्री से मुलाकात कर स्थिति को समझा। अधिकारियों ने घटना पर खेद व्यक्त करते हुए यात्री को वैकल्पिक भोजन उपलब्ध करने की पेशकश की, लेकिन यात्री ने नया भोजन लेने से साफ इनकार कर दिया। इसके बाद मामला औपचारिक रूप से रेलवे प्रशासन तक पहुंचा, जहां इसे गंभीर गुणवत्ता उल्लंघन के रूप में देखा गया। रेलवे सूत्रों के अनुसार, शुरुआती जांच में यह स्पष्ट हुआ कि कैटरिंग सेवा प्रदाता द्वारा भोजन तैयार करने, पैकिंग और परेसने की प्रक्रिया में स्वच्छता मानकों का पालन ठीक से नहीं किया गया था। यी लापरवाही इस घटना की मुख्य वजह मानी जा रही है। रेलवे ने इसे केवल एक छोटी गलती नहीं बल्कि सेवा अनुबंध की गंभीर शर्तों के उल्लंघन के रूप में देखा है। घटना के बाद रेलवे प्रशासन ने संबंधित ठेकेदार पर एक लाख रुपये का आर्थिक दंड लगाया है। इसके साथ ही कैटरिंग कंपनी को कारण बताओ नोटिस जारी किया

गया है, जिसमें पूछा गया है कि क्यों न उसके खिलाफ स्थायी रूप से लाइसेंस समाप्त करने की कार्रवाई की जाए। रेलवे ने यह भी स्पष्ट किया है कि यदि जवाब संतोषजनक नहीं पाया गया तो कंपनी को भविष्य में किसी भी रेल सेवा में कैटरिंग का ठेका नहीं दिया जाएगा। इस कार्रवाई को रेलवे द्वारा यात्रियों की सुरक्षा और गुणवत्ता मानकों को लेकर “जीरो टॉलरेंस नीति” के रूप में देखा जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि प्रीमियम ट्रेनों में यात्रियों को उच्च गुणवत्ता का भोजन उपलब्ध कराना अनिवार्य है और इसमें किसी भी तरह की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। इस पूरे मामले ने एक बार फिर भारतीय रेलवे की कैटरिंग व्यवस्था की निगरानी प्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। यात्रियों का कहना है कि जब प्रीमियम ट्रेनों में अधिक किराया लिया जाता है, तो सेवा की गुणवत्ता भी उसी स्तर की होनी चाहिए। खासकर भोजन जैसी बुनियादी सुविधा में किसी भी तरह की गड़बड़ी यात्रियों के विश्वास को कमजोर करती है। विशेषज्ञों का है कि रेलवे में कैटरिंग सेवाएं अक्सर बड़े ठेकेदारों के जरिए संचालित होती हैं, जहां कई स्तरों पर आउटसोर्सिंग होती है। इस प्रक्रिया में गुणवत्ता नियंत्रण कमजोर पड़

जाता है, जिसके कारण इस तरह की घटनाएं सामने आती हैं। उनका कहना है कि रेलवे को न केवल सख्त निरीक्षण व्यवस्था लागू करनी होगी, बल्कि रियल-टाइम मॉनिटरिंग सिस्टम भी विकसित करना होगा। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि शिकायत मिलते ही तत्काल कार्रवाई शुरू कर दी गई थी और सभी संबंधित दस्तावेजों की जांच की जा रही है। साथ ही यह भी देखा जा रहा है कि क्या पहले भी इस कैटरिंग कंपनी के खिलाफ कोई शिकायत दर्ज हुई थी या नहीं। यदि ऐसा पाया जाता है, तो कार्रवाई और सख्त हो सकती है। इस घटना ने यात्रियों के बीच भी चिंता बढ़ा दी है। सोशल मीडिया पर कई लोगों ने रेलवे से मांग की है कि कैटरिंग सेवाओं की नियमित जांच की जाए और खाने की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए स्वतंत्र ऑडिट सिस्टम लागू किया जाए। फिलहाल रेलवे ने स्पष्ट किया है कि मामले की विस्तृत जांच जारी है और अंतिम निर्णय रिपोर्ट आने के बाद लिया जाएगा। साथ ही यह भी कहा गया है कि यात्रियों की सुरक्षा, स्वास्थ्य और स्वच्छता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। यह घटना एक बार फिर यह सवाल छोड़ गई है कि क्या भारत की प्रीमियम रेल सेवाएं वास्तव में उस स्तर की सुविधाएं दे पा रही हैं, जिनका दावा किया जाता है, या फिर जमीनी हकीकत अभी भी सुधार की बड़ी जरूरत दर्शाती है।

ईडी की बड़ी कार्रवाई: राजेश एक्सपोर्ट्स के 9 ठिकानों पर छापेमारी, विदेशी लेनदेन और निवेश पर गंभीर सवाल

नई दिल्ली/मुंबई। देश की जानी-मानी ज्वेलरी और गोल्ड कारोबार कंपनी Rajesh Exports Limited एक बार फिर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की जांच के घेरे में आ गई है। विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (FEMA) के कथित उल्लंघन से जुड़े मामले में ईडी ने कंपनी और उससे जुड़े व्यक्तियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए बेंगलुरु और मुंबई में स्थित कुल नौ परिसरों पर एक साथ तलाशी और जब्त अभियान चलाया। इस कार्रवाई के बाद कंपनी के विदेशी लेनदेन, निवेश और लेखा-जोखा प्रणाली को लेकर कई गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।



निवेश का विस्तृत विवरण तथा विदेशी व्यापार से संबंधित बकाया भुगतान और प्राप्तियों के निपटान के दस्तावेज प्रस्तुत करने में विफल रही है। इन दस्तावेजों के अभाव में विदेशी लेनदेन की वास्तविकता और वैधता की पुष्टि करना कठिन हो गया है, जिसके चलते यह मामला और अधिक गंभीर हो गया है। ईडी की जांच में एक महत्वपूर्ण बिंदु अफ्रीकी देशों में किए गए निवेश से जुड़ा है। एजेंसी के अनुसार कंपनी ने अफ्रीकी खदानों में लगभग 1,035 करोड़ रुपये का निवेश किया है, लेकिन इस निवेश से संबंधित पर्याप्त दस्तावेज और प्रमाण जांच के दौरान उपलब्ध नहीं कराए गए। न ही तलाशी के दौरान इस निवेश से जुड़े पूर्ण रिकॉर्ड मिले हैं, जिससे इस लेनदेन

की पारदर्शिता पर सवाल उठ रहे हैं। इसके अलावा जांच में यह भी सामने आया है कि कंपनी संयुक्त अरब अमीरात (UAE) सहित अन्य विदेशी क्षेत्रों में स्थित कुछ कंपनियों के साथ व्यापारिक लेनदेन कर रही थी, जिनमें देनदारियों और प्राप्तियों सामने नहीं आई है। विशेषज्ञों का कहना है कि विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम के तहत किसी भी कंपनी के लिए विदेशी लेनदेन का स्पष्ट कवरेज रिकॉर्ड रखना अनिवार्य होता है। ऐसे मामलों में यदि दस्तावेजों की कमी या असंगति पाई जाती है, तो जांच एजेंसियां सख्त कार्रवाई कर सकती हैं। यही कारण है कि ईडी ने इस मामले में विस्तृत जांच शुरू की है और आगे और भी वित्तीय दस्तावेजों की जांच की संभावना जताई जा रही है। फिलहाल ईडी की कार्रवाई प्रारंभिक चरण में है और जांच एजेंसी द्वारा जब्त किए गए दस्तावेजों और डिजिटल रिकॉर्ड का विश्लेषण किया जा रहा है।

वितीय अनियमितताओं की संभावना से भी इनकार नहीं किया जा सकता। इस पूरे मामले ने देश के कॉर्पोरेट और वित्तीय क्षेत्र में हलचल पैदा कर दी है। सोना और आभूषण कारोबार में प्रमुख नामों में शामिल इस कंपनी पर उठे सवालों ने निवेशकों और बाजार विश्लेषकों को भी सतर्क कर दिया है। हालांकि कंपनी की ओर से अभी तक इस छापेमारी और आरोपों पर विस्तृत आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

मुंबई लोकल में दरवाजे के विवाद ने ली जान, 22 वर्षीय युवक की चाकू मारकर हत्या से मचा हड़कंप

मुंबई। देश की सबसे व्यस्त रेल सेवा कही जाने वाली Mumbai Suburban Railway एक बार फिर हिंसक घटना के चलते सुर्खियों में है। मानसून की पहली तेज बारिश के बीच लोकल ट्रेन के अंदर सिर्फ दरवाजा बंद करने जैसे मामूली विवाद ने एक 22 वर्षीय युवक की जान ले ली। इस दर्दनाक घटना ने न केवल यात्रियों की सुरक्षा पर सवाल खड़े किए हैं, बल्कि रोजाना लाखों लोगों की “लाइफलाइन” कही जाने वाली मुंबई लोकल की व्यवस्था पर भी चिंता बढ़ा दी है। यह घटना मंगलवार रात करीब 10:42 बजे चर्चगेट-नालासोपारा फास्ट लोकल के फर्स्ट क्लास डिब्बे में हुई, जब अंधेरी और बोरीवली स्टेशन के बीच ट्रेन चल रही थी। उस समय तेज बारिश हो रही थी और डिब्बे के भीतर पानी आने से बचने के लिए एक यात्री ने दरवाजा बंद करने की कोशिश की, जबकि दूसरा यात्री दरवाजा खुला रखने पर अड़ा रहा। इसी मामूली बहस ने कुछ ही मिनटों में हिंसक रूप ले लिया और एक युवक की जान चली गई।



संभालने की कोशिश कर रहा था। रेलवे पुलिस के अनुसार विवाद उस समय शुरू हुआ जब अंधेरी स्टेशन पर ट्रेन रुकने के दौरान डिब्बे का दरवाजा खुला था और बारिश का पानी अंदर आने लगा। मयंक ने यात्रियों की असुविधा को देखते हुए दरवाजा बंद करने की कोशिश की, लेकिन आरोपी यात्री रोशन सुवर्णा ने इसका विरोध किया। दोनों के बीच बहस बढ़ती गई और माहौल अचानक तनावपूर्ण हो गया। कुछ ही क्षणों में स्थिति इतनी बिगड़ गई कि आरोपी ने चाकू निकालकर मयंक के पेट पर हमला कर दिया। डिब्बे में मौजूद यात्री इस अचानक हुई वारदात से स्तब्ध रह गए और कोई तुरंत प्रतिक्रिया नहीं दे सका। गंभीर रूप से घायल मयंक को बोरीवली स्टेशन पर उतारकर पहले मेडिकल रूम ले जाया गया और फिर कांदिवली के शताब्दी अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन अत्यधिक

रक्तस्राव के कारण इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना के बाद आरोपी चलती ट्रेन से बोरीवली स्टेशन के पास कूदकर फरार हो गया था। हालांकि रेलवे पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए सात विशेष टीमें गठित कीं और सीसीटीवी फुटेज व तकनीकी निगरानी की मदद से आरोपी को कुर्ला इलाके से गिरफ्तार कर लिया। इस पूरी वारदात का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिससे लोगों में आक्रोश और भय दोनों बढ़ गए हैं। यह मामला इसलिए और गंभीर माना जा रहा है क्योंकि पिछले कुछ महीनों में इसी तरह की घटनाएं पहले भी सामने आ चुकी हैं। यात्रियों के बीच छोटे-छोटे विवादों का इस तरह हिंसक रूप लेना मुंबई लोकल की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाता है। रोजाना लाखों लोग इस रेल नेटवर्क पर निर्भर हैं, ऐसे में सुरक्षा को लेकर चिंता

और बढ़ गई है। मृतक मयंक का परिवार मूल रूप से नेपाल से जुड़ा बताया जा रहा है, लेकिन लंबे समय से मुंबई में रह रहा था। वह हाल ही में अपने करियर की शुरुआत कर रहा था और परिवार के लिए आर्थिक सहयोग का सहारा बन रहा था। अचानक हुई इस घटना ने उसके परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया है। रेलवे प्रशासन और पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और आरोपी के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया गया है। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि ट्रेन के भीतर सुरक्षा व्यवस्था और निगरानी प्रणाली में कहीं कोई चूक तो नहीं हुई। इस घटना ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या व्यस्त लोकल ट्रेनों में यात्रियों की सुरक्षा के लिए पर्याप्त इंतजाम हैं। बारिश के मौसम में जब भीड़ और असुविधा बढ़ जाती है, तब ऐसी घटनाओं का खतरा और अधिक बढ़ जाता है। विशेषज्ञों का मानना है कि रेलवे को न केवल सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करनी होगी, बल्कि यात्रियों के बीच विवाद की स्थिति को संभालने के लिए भी विशेष उपाय करने होंगे। फिलहाल पूरे मामले ने मुंबई की जनता को झकझोर कर रख दिया है और रेलवे प्रशासन पर सुरक्षा सुधारों के लिए दबाव बढ़ गया है।

नवसर्जन संस्कृति

हिन्दी

JioTV

CHENNAL NO. 2063

Jio Air Fiber

Jio Tv +

Jio Fiber

Daily Hunt

ebaba Tv

Dish Plus

DTH live OTT

Rock TV

Airtel

Amezone Fire

Roku Tv-US.UK

देश-दुनिया के नवीनतम समाचार प्राप्त करने के लिए आज ही नवसर्जन संस्कृति हिंदी चैनल देखिये



शाला प्रवेशोत्सव-2026 : दूसरा दिन

आदिजाति क्षेत्रों से निरक्षरता का कलंक मिटाने के लिए श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरु कराया गया शाला प्रवेशोत्सव आज शिक्षा क्षेत्र में विकास का वटवृक्ष बना है : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने आदिजाति जिले दाहोद के मोटी खरज, राहडुंगरी तथा गांगरडा गाँवों में 300 से अधिक बच्चों का शाला प्रवेश कराया

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल

- ▶▶ शाला प्रवेशोत्सव बच्चों के सर्वांगीण विकास के साथ शिक्षा क्षेत्र में परिवर्तन का महाअभियान है
- ▶▶ आदिवासी क्षेत्रों में साईंस, इंजीनियरिंग तथा मेडिकल शिक्षा के अवसर उपलब्ध हुए हैं
- ▶▶ खेल-कूद क्षेत्र में भी आदिवासी युवाओं को प्रशिक्षण, संसाधन तथा पोषण की सुविधाएँ दी गई हैं

गांधीनगर : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने स्पष्ट रूप से कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा आदिजाति क्षेत्रों से निरक्षरता का कलंक मिटाने के लिए शुरू कराया गया शाला प्रवेशोत्सव आज शिक्षा क्षेत्र में विकास का वटवृक्ष बन गया है। उन्होंने जोड़ा कि आदिजाति क्षेत्रों में वर्षों पुरानी शिक्षा की भूख अब पूरी हुई है और पूर्व के शाला प्रवेशोत्सवों में विद्यालयों में प्रविष्ट हुए बच्चों ने आज डॉक्टर, इंजीनियर, पायलट जैसे क्षेत्रों में समाज का नाम उज्ज्वल किया है। मुख्यमंत्री 24वें शाला प्रवेशोत्सव के दूसरे दिन बुधवार को दाहोद जिले की शालाओं में आयोजित प्रवेशोत्सव में सहभागी हुए। उन्होंने मोटी खरज,



राहडुंगरी और गांगरडा गाँवों के विद्यालयों में कुल 300 से अधिक बच्चों का शाला प्रवेश कराया। मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने इस अवसर पर कहा कि राज्य सरकार ने आधुनिक सुविधाओं तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से विद्यार्थियों का उज्ज्वल भविष्य सुनिश्चित किया है। उन्होंने यह भी कहा कि विद्यालयों में स्मार्ट क्लासरूम, कम्प्यूटर लैब, इंटरनेट सुविधा और आधुनिक विज्ञान प्रयोगशालाएँ जैसी सुविधाएँ उपलब्ध कराई गई हैं। इन सुविधाओं के कारण ग्रामीण एवं दूरदराजी क्षेत्रों के विद्यार्थी भी आधुनिक शिक्षा से जुड़कर प्रतिस्पर्धी दुनिया में आगे बढ़ रहे हैं।

मुख्यमंत्री श्री हर्ष संघवी ने राज्य के पर्यटन एवं तीर्थस्थलों के कायाकल्प के उद्देश्य से उप विभिन्न विकास कार्यों को दी स्वीकृति

▶▶ राज्य में पर्यटकों की सुविधा और आस्था के केंद्रों के विकास के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए
▶▶ विभिन्न तीर्थस्थलों और पर्यटन स्थलों पर आधुनिक ढांचागत सुविधाएँ विकसित की जाएंगी
▶▶ उप मुख्यमंत्री द्वारा तीर्थस्थलों और पर्यटन स्थलों के विकास कार्यों के लिए 3.28 करोड़ रुपये से अधिक राशि के विकास कार्यों को स्वीकृति दी गई



गांधीनगर : गुजरात को वैश्विक पर्यटन नक्शे पर और अधिक सशक्त बनाने तथा राज्य के पवित्र तीर्थस्थलों पर आने वाले लाखों श्रद्धालुओं की सुविधा और कर्याण के लिए राज्य सरकार द्वारा एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। राज्य के उप मुख्यमंत्री श्री हर्ष संघवी ने बुधवार को राज्य के पर्यटन एवं तीर्थस्थलों के सर्वांगीण विकास के लिए विभिन्न महत्वपूर्ण प्रस्तावों को स्वीकृति दी है। गुजरात प्रकृति, संस्कृति एवं आस्था का

अद्भुत संगम है। राज्य के विकास मॉडल में पर्यटन उद्योग और तीर्थस्थलों का विकास सरकार की प्राथमिकताओं रही है। पर्यटकों और श्रद्धालुओं को सर्वोत्तम सुविधाएँ उपलब्ध हों, इस उद्देश्य से विभिन्न पर्यटन परियोजनाओं और आस्था केंद्रों के विकास कार्यों को प्रशासनिक स्वीकृति दी गई है। वलसाड जिले के कोसंबा स्थित श्री अक्षरपुराणोत्तम स्वामीनारायण मंदिर में सुविधाओं के विस्तार के लिए तथा डांग

मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा क्षेत्र में गुणात्मक परिवर्तन लाने के संकल्प के साथ राज्य सरकार द्वारा शुरू किए गए विभिन्न अभियानों तथा योजनाओं के परिणामस्वरूप आज अनेक विद्यार्थियों ने सफलता के नए शिखर पार किए हैं। शिक्षा बीच में छोड़ देने वाले बच्चों को पुनः शिक्षा के साथ जोड़ने के लिए किए जा रहे विशेष प्रयासों का विवरण देते हुए श्री पटेल ने कहा कि अधिकारियों तथा शिक्षा विभाग के कर्मचारियों द्वारा ऐसे बच्चों के घर जाकर उनकी समस्याएँ जानकर और उन्हें फिर से स्कूल में लाने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने अभिभावकों से भी अपने बच्चों के

भविष्य के लिए सक्रिय भागीदार बनने तथा नियमित रूप से विद्यालय जाकर शिक्षकों के साथ बच्चों की प्रगति पर चर्चा करने का अनुरोध किया। उचित मार्गदर्शन तथा अवसर मिले, तो बेटियाँ भी प्रत्येक क्षेत्र में श्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकती हैं, इसका उदाहरण देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि खरज गाँव की तीन बेटियों ने रबी खेल में राष्ट्रीय स्तर तक पहुँचकर समग्र गाँव तथा गुजरात का गौरव बढ़ाया है। विज्ञान सहित उच्च शिक्षा को अधिक प्रोत्साहन देने के लिए सरकार द्वारा लागू की गई विभिन्न महत्वपूर्ण योजनाओं की जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा

बाइक सवार 107 लंबित चालानों और 2.36 लाख रुपये के जुर्माने के साथ पकड़ा गया, पुलिस ने बाइक जब्त की



पहला, हाल ही में किए गए अपराध का जुर्माना भरकर चले जाना; दूसरा, क्या हम अभी चालान जारी कर दें और आप बाद में यातायात पुलिस के पास जाकर जुर्माना भर दें? इस बाइकर ने “अभी चालान बनवाई, जुर्माना बाद में भरे” का विकल्प चुना। हालाँकि, जब उसने वेबसाइट पर अपनी बाइक का नंबर चेक किया, तो उसे पता चला कि इस बाइक पर पहले से ही 107 चालान लंबित हैं, जिनका कुल जुर्माना 23 लाख रुपये से अधिक है। यह रकम लिया। आमतौर पर, सड़क पर तैनात यातायात पुलिस दो विकल्प देती है:

पहला, हाल ही में किए गए अपराध का जुर्माना भरकर चले जाना; दूसरा, क्या हम अभी चालान जारी कर दें और आप बाद में यातायात पुलिस के पास जाकर जुर्माना भर दें? इस बाइकर ने “अभी चालान बनवाई, जुर्माना बाद में भरे” का विकल्प चुना। हालाँकि, जब उसने वेबसाइट पर अपनी बाइक का नंबर चेक किया, तो उसे पता चला कि इस बाइक पर पहले से ही 107 चालान लंबित हैं, जिनका कुल जुर्माना 23 लाख रुपये से अधिक है। यह रकम लिया। आमतौर पर, सड़क पर तैनात यातायात पुलिस दो विकल्प देती है:

गुजरात आगमन पर नागालैंड के राज्यपाल नंदकिशोर यादव का होगा भव्य स्वागत, हिंदीभाषी समाज में उत्साह

सूरत/अहमदाबाद। नागालैंड के राज्यपाल एवं बिहार की राजनीति के वरिष्ठ नेता Nand Kishore Yadav के गुजरात आगमन को लेकर हिंदीभाषी समाज में उत्साह का माहौल है। उनके सम्मान में हिंदीभाषी महासंघ गुजरात द्वारा अहमदाबाद में एक विशेष स्वागत एवं अभिनंदन समारोह आयोजित किया जा रहा है। महासंघ के पदाधिकारियों का कहना है कि जनसेवा, संगठनात्मक नेतृत्व और संवैधानिक दायित्वों के लंबे अनुभव वाले नंदकिशोर यादव का गुजरात आगमन हिंदीभाषी समाज के लिए गौरव का विषय है।



हिंदीभाषी महासंघ गुजरात के महासचिव और भाजपा नेता Arvind Singh ने कहा कि नागालैंड के राज्यपाल के रूप में राष्ट्रसेवा कर रहे नंदकिशोर यादव का व्यक्तित्व संघर्ष, समर्पण और जनसेवा की भावना का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि बिहार की राजनीति में लंबे समय तक सक्रिय रहते हुए यादव ने अनेक महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों का सफलतापूर्वक निर्वहन किया और जनता के बीच अपनी अलग पहचान बनाई। यही कारण है कि आज भी विभिन्न राज्यों में उनके प्रति सम्मान और आत्मीयता का भाव दिखाई देता है। अरविंद सिंह ने बताया कि हिंदीभाषी महासंघ गुजरात की ओर से 25 जून 2026 को सांघ छह बजे अहमदाबाद का स्थित State Guest House के कॉन्फ्रेंस हॉल में भव्य स्वागत एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया

विभिन्न समुदायों के बीच समरसता स्थापित करना है। ऐसे में हिंदीभाषी समाज से जुड़े एक प्रतिष्ठित और सम्मानित सार्वजनिक व्यक्तित्व का स्वागत करना महासंघ के लिए विशेष महत्व रखता है। पदाधिकारियों के अनुसार नंदकिशोर यादव का सार्वजनिक जीवन युवाओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणा का स्रोत रहा है। उन्होंने संगठनात्मक राजनीति से लेकर प्रशासनिक और संवैधानिक जिम्मेदारियों तक विभिन्न भूमिकाओं में कार्य किया है। उनके अनुभव और विचारों से समाज के विभिन्न वर्गों को लाभ मिल सकता है, इसलिए गुजरात प्रवास को लेकर व्यापक उत्सुकता देखी जा रही है।

अरविंद सिंह ने बताया कि 25 जून से 28 जून तक के गुजरात प्रवास के दौरान राज्यपाल नंदकिशोर यादव विभिन्न सामाजिक, सांस्कृतिक और सार्वजनिक कार्यक्रमों में भाग लेंगे। इस दौरान वे अनेक संगठनों के प्रतिनिधियों, समाजसेवियों, शिक्षाविदों और नागरिकों से भी मुलाकात कर सकते हैं। उनके कार्यक्रमों को लेकर तैयारियां तेज कर दी गई हैं और विभिन्न स्थानों पर स्वागत

के लाभों से कुल 75,000 रुपए तक की सहायता मिल सकती है। उन्होंने कहा कि पहले विज्ञान प्रवाह (साईंस स्ट्रीम) शिक्षा की सुविधाओं का अभाव था, परंतु अब जिला स्तर पर इंजीनियरिंग एवं मेडिकल जैसे उच्च शिक्षा संस्थान उपलब्ध होने से आदिवासी क्षेत्रों के विद्यार्थी डॉक्टर तथा इंजीनियर बनने के सपने साकार कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने आधुनिक युग में टेक्नोलॉजी का सदुपयोग करने की आवश्यकता के बारे में बच्चों से कहा कि विद्यार्थियों को मोबाइल एवं टीवी का उचित उपयोग कर अध्ययन, पठन तथा शैक्षणिक गतिविधियों के लिए समय निकालना चाहिए। अभिभावकों को भी बच्चों के टेक्नोलॉजी उपयोग पर सकारात्मक निगरानी रखते हुए उन्हें उचित मार्गदर्शन देना चाहिए। मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने पर्यावरण तथा जल संरक्षण के लिए ‘कैच द रेन’ अभियान अंतर्गत वर्षा जल संग्रह तथा भूमिगत जल स्तर बढ़ाने और पर्यावरण संरक्षण के लिए जनभागीदारी का आह्वान किया।

इस अवसर पर सांसद श्री जसवंतसिंह भाभोर ने आदिवासी समाज के उत्थान के

लिए राज्य सरकार के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में शुरू हुए इस अभियान के कारण उमरगाम से अंबाजी तक के समग्र आदिवासी क्षेत्र में शिक्षा का स्तर ऊँचा आया है तथा ‘डॉप-आउट रेशियो’ में उल्लेखनीय कमी आई है। उन्होंने कहा कि बेटियों की शिक्षा के प्रति व्याप्त उदासीनता अब दूर हुई है और आज आदिवासी युवा डॉक्टर, इंजीनियर एवं वकील बनकर समाज का गौरव बढ़ा रहे हैं। श्री भाभोर ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में आज दाहोद जैसे सुदूरवर्ती क्षेत्रों में भी गुणवत्तायुक्त शिक्षा पहुँची है। उन्होंने गौरवपूर्वक कहा कि सिंगवड में 23 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित अंग्रेजी माध्यम का आधुनिक विद्यालय इस क्षेत्र के बच्चों को वैश्विक स्तर की शिक्षा प्रदान करेगा। सांसद ने आगे कहा कि मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने ‘नवनबंधु कल्याण योजना-2’ द्वारा आदिवासी क्षेत्रों के विकास को नई गति दी है। उन्होंने सहर्ष कहा कि पूर्व में मजदूरी के लिए पलायन होता था, जिसे रोकने के लिए सरकार दृढ़ है। इसके अंतर्गत बारिया, धानपुर, गरबाडा, दाहोद और झालोद क्षेत्रों तक नर्मदा का जल पहुँचाने के लिए 5000 करोड़

रुपए से अधिक की राशि को सैद्धांतिक स्वीकृति दी गई है, जो इस क्षेत्र में सिंचाई लाएगी। उन्होंने सहर्ष कहा कि सिंचाई एवं शिक्षा क्षेत्र में इस क्रांति से आदिवासी परिवारों का पलायन रुकेगा और नई पीढ़ी आत्मनिर्भर बनेगी। मुख्यमंत्री ने शाला में उपस्थित अभिभावक समिति के सदस्यों से प्रत्यक्ष मुलाकात कर संवाद किया। इस आत्मीय संवाद के दौरान उन्होंने अभिभावकों के मूल्यवान सुझावों और अपेक्षाओं को जाना। बच्चों के उज्ज्वल शैक्षणिक भविष्य के निर्माण और गुणवत्तायुक्त शिक्षा के विस्तार के संबंध में उन्होंने अभिभावकों के साथ महत्वपूर्ण परामर्श कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। सिंगवड में 23 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित अंग्रेजी माध्यम का आधुनिक विद्यालय इस क्षेत्र के बच्चों को वैश्विक स्तर की शिक्षा प्रदान करेगा। सांसद ने आगे कहा कि मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने ‘नवनबंधु कल्याण योजना-2’ द्वारा आदिवासी क्षेत्रों के विकास को नई गति दी है। उन्होंने सहर्ष कहा कि पूर्व में मजदूरी के लिए पलायन होता था, जिसे रोकने के लिए सरकार दृढ़ है। इसके अंतर्गत बारिया, धानपुर, गरबाडा, दाहोद और झालोद क्षेत्रों तक नर्मदा का जल पहुँचाने के लिए 5000 करोड़

लखनऊ में आग लगने की घटना में 15 लोगों की मौत के बाद कार्रवाई तेज की गई, अग्नि सुरक्षा उपायों का उल्लंघन करने के आरोप में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया

(छगनलाल मेवाड़ा द्वारा) सूरत। सोमवार को लखनऊ में जिस इमारत में आग लगी, वह एक व्यावसायिक प्रतिष्ठान के रूप में चल रही थी, जिसमें पर्याप्त अग्नि सुरक्षा उपाय, आपातकालीन निकास या धुआँ निकालने की व्यवस्था नहीं थी। अलीगंज पुलिस स्टेशन में दर्ज एफआईआर के अनुसार, इमारत का नक्शा आवासीय भवन के रूप में दिखाया गया था। पुलिस द्वारा दर्ज प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) में यह जानकारी दी गई है। इमारत में व्यावसायिक गतिविधियाँ चल रही थीं, और इमारत के मालिक, एक पालतू जानवरों की दुकान और एक एनिमेशन सेंटर के संचालकों सहित चार लोगों के नाम दर्ज हैं। पुलिस ने बताया कि चारों को गिरफ्तार कर लिया गया है। उनके खिलाफ गैर इरादतन हत्या, गैर इरादतन हत्या का प्रयास, लापरवाही या गैरजिम्मेदाराना कृत्य जिससे मानव जीवन खतरे में पड़ जाए, और उत्तर प्रदेश अधिनियम एवं आपातकालीन सेवा अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है।



एफआईआर के अनुसार, 22 जून को दोपहर लगभग 2:30 बजे अलीगंज के सेक्टर डी स्थित एक तीन मंजिला इमारत में पालतू जानवरों की दुकान और क्लिनिक में आग लग गई। दुकान और क्लिनिक भूतल और पहली मंजिल पर

थे, दूसरी मंजिल पर वीडियो गेमिंग जॉन और 3डी एनिमेशन सेंटर तथा तीसरी मंजिल पर आर्टी नेटवर्किंग कार्यालय था। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि इमारत के मालिकों और व्यवसायों से जुड़े लोगों ने “अग्नि सुरक्षा के लिए कोई व्यवस्था नहीं की थी और न ही आपातकालीन निकास या प्रवेश द्वार की कोई व्यवस्था थी। प्रवेश और निकास के लिए केवल एक ही मुख्य मार्ग था और कोई अन्य निकास द्वार या आपातकालीन द्वार नहीं था।” इस आग में दह्रह लोगों की मौत हो गई। इनमें से अधिकांश छात्र थे जिनकी मृत्यु घुम घुमते और जलने से हुई।

जबकि 9 अन्य घायल हो गए, जिन्हें किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू) मंजिल पर आर्टी नेटवर्किंग कार्यालय था। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि इमारत के मालिकों और व्यवसायों से जुड़े लोगों ने “अग्नि सुरक्षा के लिए कोई व्यवस्था नहीं की थी और न ही आपातकालीन निकास या प्रवेश द्वार की कोई व्यवस्था थी। प्रवेश और निकास के लिए केवल एक ही मुख्य मार्ग था और कोई अन्य निकास द्वार या आपातकालीन द्वार नहीं था।” इस आग में दह्रह लोगों की मौत हो गई। इनमें से अधिकांश छात्र थे जिनकी मृत्यु घुम घुमते और जलने से हुई।

डिजिटल भारत की नई तस्वीर, भीम ऐप से भुगतान में रिकॉर्ड उछाल; 11 महीनों में तीन गुना बढ़े लेन-देन

नई दिल्ली। भारत में डिजिटल क्रांति अब केवल बड़े शहरों तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि यह देश के गांवों, कस्बों और छोटे शहरों तक अपनी मजबूत पहुंच बना चुकी है। नकदी आधारित लेन-देन की जगह अब तेजी से डिजिटल भुगतान ने ले ली है और स्मार्टफोन लोगों की जेब में एक छोटे बैंक की तरह काम करने लगा है। किराना दुकान से लेकर सरकारी सब्जी बाजार, मेडिकल स्टोर और ऑनलाइन खरीदारी तक, हर जगह डिजिटल भुगतान हो रहा है। इससे एक ही मुख्य मार्ग था और कोई अन्य निकास द्वार या आपातकालीन द्वार नहीं था।” इस आग में दह्रह लोगों की मौत हो गई। इनमें से अधिकांश छात्र थे जिनकी मृत्यु घुम घुमते और जलने से हुई।

आवश्यक माना जाता था, वहीं अब मोबाइल फोन के जरिए कुछ सेकंड में भुगतान पूरा हो जाता है। यही वजह है कि डिजिटल भुगतान अब लोगों की रोजमर्रा की जीवनशैली का अभिन्न हिस्सा बन चुका है। भीम ऐप के उपयोग का सबसे बड़ा हिस्सा बैंक उपभोग और खुदरा खरीदारी से जुड़ा हुआ है। मई 2026 के आंकड़ों के अनुसार मई-जून ट्रान्ज़ेक्शन में किराना दुकानों की हिस्सेदारी सबसे अधिक रही। कुल व्यापारिक लेन-देन में लगभग 23.9 प्रतिशत भुगतान किराना दुकानों पर किए गए। इसके बाद फूड आउटलेट्स का स्थान रहा, जहां 18.1 प्रतिशत ट्रान्ज़ेक्शन दर्ज किए गए। वहीं तेजी से लोकप्रिय हो रहे विक्रम कॉमर्स प्लेटफॉर्म की हिस्सेदारी 11.6 प्रतिशत रही। यह दर्शाता है कि उपभोक्ता अब अपनी रोजमर्रा की जरूरतों के लिए भी बड़े पैमाने पर डिजिटल भुगतान का इस्तेमाल ले रहे हैं। डिजिटल भुगतान की सहायता से सबसे महत्वपूर्ण भुगतान श्रेणी और अर्ध-शहरी क्षेत्रों का माना जा रहा है। पहले डिजिटल लेन-देन को शहरी क्षेत्रों की सुविधा समझा जाता था, लेकिन अब स्थिति तेजी से बदल रही है। गांवों और छोटे कस्बों में भी लोग मोबाइल आधारित भुगतान प्रणाली को अपना रहे हैं। इससे न केवल लेन-देन आसान हुआ है बल्कि वित्तीय समावेशन को भी नई गति मिली है। एनबीएसएल की प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी Lalitha Nataraj ने कहा कि भीम ऐप की बढ़ती लोकप्रियता यह दर्शाती है कि लोग अब अपनी दैनिक आवश्यकताओं के लिए डिजिटल भुगतान को प्राथमिकता देने लगे हैं। उनके अनुसार ऐप को इस तरह विकसित किया गया है कि यह देश के विभिन्न वर्गों की जरूरतों को पूरा कर सके। सरल इंटरफेस, क्षेत्रीय भाषाओं का समर्थन और कम इंटरनेट कनेक्टिविटी वाले क्षेत्रों में भी सुचारु रूप से काम करने की क्षमता ने इसे व्यापक स्वीकार्यता दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

‘विकास भी, विरासत भी’ : रुद्र वीणा निर्माण की परंपरा को राष्ट्रीय गौरव दिलाने वाले श्री किशोरभाई मिस्त्री

► **रुद्र वीणा के निर्माण के लिए श्री किशोरभाई का संगीत नाटक अकादमी द्वारा राष्ट्रीय पुरस्कार के लिए चयन**
► **भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा आयोजित इंटरनेशनल म्यूजियम एक्सपो ने युवा वर्ग में रुद्र वीणा के प्रति रुचि उत्पन्न करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई : श्री किशोरभाई मिस्त्री**

गांधीनगर : गुजरात की कला नगरी के रूप में विख्यात वडोदरा का मिस्त्री परिवार पिछले 150 वर्षों से दुर्लभ एवं ऐतिहासिक रुद्र वीणा की विरासत को संरक्षित रखने का प्रयास कर रहा है। मिस्त्री परिवार के इन अग्रसों का राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान हुआ है। नई दिल्ली स्थित संगीत नाटक अकादमी ने रुद्र वीणा निर्माण के लिए श्री किशोरभाई सोमाभाई मिस्त्री का संगीत नाटक

अकादमी पुरस्कार वर्ष-2024 के लिए चयन किया है। इस सम्मान के लिए चयनित होने के बाद अपनी पहली प्रतिक्रिया में श्री किशोरभाई ने कहा, “यह मेरा सम्मान नहीं है, बल्कि मेरे पूर्वजों की साधना एवं तपस्या का फल है।” अपने हृदय के भाव व्यक्त करते हुए श्री किशोरभाई कहते हैं, “मेरा सम्मान व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं है, बल्कि गुजरात की समृद्ध संगीत



परंपरा को राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता है।” उल्लेखनीय है कि किशोरभाई पिछले पाँच दशकों से रुद्र वीणा के निर्माण एवं संवर्धन के लिए परिश्रम कर रहे हैं। यदि श्री किशोरभाई की संगीत यात्रा पर

दृष्टि डालें, तो वर्ष 2023 में संगीत नाटक अकादमी द्वारा उन्हें रुद्र वीणा के निर्माण के लिए ‘गुरु’ की उपाधि प्रदान की गई थी और गुरु-शिष्य परंपरा के अंतर्गत वे हाल में संगीत साधकों को रुद्र

वीणा का निर्माण सिखा रहे हैं। संगीत के बदलते स्वरूप तथा भावी पीढ़ी की रुचि के पर बात करते हुए वे कहते हैं, “वर्ष 2023 में मुझे प्रथम इंटरनेशनल म्यूजियम एक्सपो में भाग लेने का अवसर मिला। इस एक्सपो में संगीत प्रेमियों और आगंतुकों ने अत्यधिक रुचि दिखाई, जिसमें युवा वर्ग की उपस्थिति विशेष रूप से ध्यानाकर्षित करने वाली थी।” श्री किशोरभाई के अनुसार इस एक्सपो में रुद्र वीणा तथा उसके निर्माण के प्रति युवाओं द्वारा दिखाई गई दिलचस्पी अत्यंत उल्लेखनीय थी।

रुद्र वीणा निर्माण की प्रक्रिया और संगीत जगत में उसका महत्व
पिछले पाँच दशकों से रुद्र वीणा निर्माण से जुड़े श्री किशोरभाई मिस्त्री इसकी निर्माण प्रक्रिया समझते हुए कहते हैं कि रुद्र वीणा की निर्माण प्रक्रिया प्राकृतिक तत्वों पर निर्भर है। वीणा के दोनों सिरों

पर ध्वनि को गुंजायमान बनाने के लिए गोल तुंबे लगाए जाते हैं। ये तुंबे लौकी वेल के कुल की एक विशेष वनस्पति से तैयार होते हैं। यद्यपि यह पौधा पूरे भारत में पाया जाता है, लेकिन रुद्र वीणा के लिए महाराष्ट्र के पंढरपुर में चंद्रभागा नदी के तट पर उगने वाले तुंबों का चयन किया जाता है। इन तुंबों को जोड़ने के लिए ‘पैसिफिक बांबू’ के दंड का उपयोग होता है। इस बाँस को मौसम के अनुसार प्राकृतिक रूप से सुखाया जाता है। इसके बाद गर्म सलाखों की सहायता से बाँस की अंदरूनी गाँठों को जलाकर उसे भीतर से खोखला किया जाता है, जिससे ध्वनि बिना किसी विक्षेप के उसमें से प्रवाहित हो सके। इस वीणा की छूटियों के के लिए काले शीशम की लकड़ी का उपयोग होता है। शास्त्रीय में संगीत के प्रथम स्वर ‘षड्ज’ (सा) का प्रतीक मोर को माना गया है। इसलिए वीणा पर काले शीशम

अथवा सागौन की लकड़ी से आकर्षक मयूर उकेरा जाता है। एक रुद्र वीणा के निर्माण में नक्काशी सहित लगभग दो से तीन वर्षों का समय लगता है। मिस्त्री परिवार वडोदरा के वेराई माता चौक, खंडेराव मार्केट के निकट स्थित अपनी 153 वर्ष पुरानी दुकान में रुद्र वीणा का निर्माण करता है। यहाँ निर्मित सितार मेट्रोपॉलिटन म्यूजियम-न्यूयॉर्क-यूएसए में, सरस्वती वीणा हॉलैंड के संग्रहालय में, रुद्र वीणा बरोडा म्यूजियम एवं फ्रांस म्यूजियम जैसे विश्व के प्रतिष्ठित संग्रहालयों की शोभा बढ़ा रही है। इसके अतिरिक्त, गुजरात के वडनगर में निर्माणधीन भव्य संगीत संग्रहालय के लिए इस परिवार ने लगभग 31 परंपरागत संगीत वाद्य तैयार किए हैं।

रुद्र वीणा निर्माण प्रक्रिया में मिस्त्री परिवार का आगमन कैसे हुआ ?
इस तंतु वाद्य के निर्माण की कला मिस्त्री

परिवार ने कैसे प्रवेश किया, इसकी कहानी रोचक है। किशोरभाई मिस्त्री बताते हैं कि उनके परदादा श्री मनसुख रघुनाथजी, गायकवाड दरबार के प्रसिद्ध रुद्र वीणा वादक एम. सी. बुआ से संगीत सीखने जाते थे। एक बार संयोगवश गुरुजी की वीणा टूट गई। उस समय वडोदरा में इस वाद्य की मरम्मत करने वाला कोई कारीगर उपलब्ध नहीं था। तब मनसुख रघुनाथजी ने अपनी सुझबुझ और कौशल से उस वाद्य की इतनी श्रेष्ठ मरम्मत की कि गुरुजी भी आश्चर्यचकित हो गए। गुरुजी ने प्रसन्न होकर कहा, “यह वाद्य इतनी सुंदरता से सुधारा गया है कि इसमें कोई कमी दिखाई नहीं देती। अब आप इसे देखकर एक नया वाद्य बनाइए।” गुरुजी के इन शब्दों का सम्मान करते हुए मनसुखजी ने प्रयास किया और इस प्रकार लगभग 153 वर्ष पूर्व इस परिवार का वाद्य निर्माण के क्षेत्र में प्रवेश हुआ।

पश्चिम रेलवे ने ट्रेन संख्या 09055/09056 बांद्रा टर्मिनस–उधना स्पेशल ट्रेन को किया नियमित

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा बांद्रा टर्मिनस और उधना के बीच नियमित रेल संपर्क उपलब्ध कराने के उद्देश्य से ट्रेन संख्या 09055/09056 बांद्रा टर्मिनस – उधना स्पेशल को नियमित करने का निर्णय लिया गया है। यह सेवा संशोधित ट्रेन संख्या 19055/19056 बांद्रा टर्मिनस – उधना – बांद्रा टर्मिनस एक्सप्रेस के रूप में परिचालित की जाएगी। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञापित अनुसार, यह स्पेशल ट्रेन 1 अगस्त, 2026 से ट्रेन संख्या 19055/19056 बांद्रा टर्मिनस – उधना एक्सप्रेस के रूप में परिचालित होगी। ट्रेन संख्या 19055 बांद्रा टर्मिनस –

उधना एक्सप्रेस प्रतिदिन बांद्रा टर्मिनस से 09.00 बजे प्रस्थान करेगी तथा उसी दिन 15.05 बजे उधना पहुंचेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 19056 उधना – बांद्रा टर्मिनस एक्सप्रेस प्रतिदिन उधना से 15.45 बजे प्रस्थान करेगी तथा उसी दिन 21.35 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुंचेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में अंधेरी, बोरीवली, वसई रोड, विरार, चैतरणा, सफाले, केलवे रोड, पालघर, बोईसर, वानगांव, दहानू रोड, घोलवड, बोर्डी रोड, उमरगाम रोड, संजान, भिलाड, करंबेली, वापी, वलसाड, बिलिमोरा, वेडछा तथा नवसारी स्टेशनों पर ठहरेगी। ट्रेन संख्या 19055 बांद्रा टर्मिनस – उधना एक्सप्रेस को भावदर स्टेशन पर अतिरिक्त उद्धारव प्रदान किया जाएगा।

ट्रेन संख्या 19056 उधना – बांद्रा टर्मिनस एक्सप्रेस को उदवाडा, पारडी तथा अतुल स्टेशनों पर अतिरिक्त उद्धारव प्रदान किया जाएगा। इस ट्रेन में एसी चैयर कार, सेकेंड सीटिंग तथा जनरल सेकेंड क्लास कोच होंगे। ट्रेन संख्या 09055/09056 बांद्रा टर्मिनस – उधना स्पेशल में आरक्षण कराने वाले यात्रियों से अनुरोध है कि कृपया संशोधित ट्रेन संख्या को ध्यान में रखें, क्योंकि यह ट्रेन 1 अगस्त, 2026 से ट्रेन संख्या 19055/19056 के रूप में परिचालित होगी। ट्रेनों के रुद्र उद्धारव, समय तथा कोच संरचना संबंधी विस्तृत जानकारी के लिए यात्री www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

शाला प्रवेशोत्सव-2026

भिक्षावृत्ति मुक्त एवं वंचित बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने का अनूठा प्रयास

► **थलतेज में उप मुख्यमंत्री श्री हर्ष संघवी की उपस्थिति में आयोजित हुआ शाला प्रवेशोत्सव**
► **विकसित भारत @2047 के संकल्प को साकार करने के लिए शिक्षा सबसे प्रभावी माध्यम : उप मुख्यमंत्री श्री हर्ष संघवी**



गांधीनगर : नगर प्राथमिक शिक्षा समिति, अहमदाबाद द्वारा थलतेज स्थित पीएम श्री थलतेज अनुपम प्राथमिक विद्यालय में उप मुख्यमंत्री श्री हर्ष संघवी की प्रेरक उपस्थिति में बुधवार को ‘शाला प्रवेशोत्सव-2026’ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भिक्षावृत्ति से मुक्त कराए गए, ‘सिग्नल स्कूल’ में अध्ययनरत तथा नवप्रवेशी बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए विशेष प्रवेशोत्सव आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम अंतर्गत भिक्षावृत्ति से मुक्त कराए गए 20 बच्चों, ‘सिग्नल स्कूल’ के 233 बच्चों तथा विद्यालय के 50 नवप्रवेशी विद्यार्थियों सहित कुल 303 बच्चों को विद्यालय में प्रवेश दिया गया।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री हर्ष संघवी ने कहा कि वंचित एवं भिक्षावृत्ति से मुक्त कराए गए बच्चों को शिक्षा का अधिकार तथा समान अवसर

प्रदान करने का यह प्रयास समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने वाला सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि वर्ष 2022 से अब तक कुल 276 बच्चों को भिक्षावृत्ति से मुक्त कराकर ‘सिग्नल शाला’ तथा अन्य सरकारी विद्यालयों में शिक्षा से जोड़ा गया है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि अन्य राज्यों से बच्चों को लाकर उनसे भिक्षावृत्ति करवाने वाले अंतरराष्ट्रीय रैकेट के विरुद्ध कार्रवाई कर 33 बच्चों को मुक्त कराया गया तथा उनका उनके परिवारों के साथ पुनर्मिलन कराया गया है। उन्होंने शिक्षकों से इन बच्चों को अपने बच्चों के समान स्नेह, मार्गदर्शन एवं संस्कार देने की अपील की। उन्होंने उपस्थित नागरिकों से स्वच्छता बनाए रखने, ट्रैफिक नियमों का पालन करने तथा सड़क सुरक्षा को प्राथमिकता देने का अनुरोध किया। इस अवसर पर अहमदाबाद नगर निगम आयुक्त श्री बंशीनिधि पाणि ने कहा कि अहमदाबाद शहर में पुलिस,

महानगर पालिका तथा सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के संयुक्त प्रयासों से वंचित बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने में उल्लेखनीय सफलता मिली है। विकसित भारत @2047 के लक्ष्य को प्राप्त करने में शिक्षा महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इस कार्यक्रम के दौरान उप मुख्यमंत्री के संकल्पों से भिक्षावृत्ति मुक्ति करवाने वाले अंतरराष्ट्रीय रैकेट के विरुद्ध कार्रवाई कर 33 बच्चों को मुक्त कराया गया तथा उनका उनके परिवारों के साथ पुनर्मिलन कराया गया है। इस कार्यक्रम में पुलिस महानिदेशक श्री जी.एस. मलिक, सदस्य सचिव श्रीमती हेतल एम. पवार, स्टैंडिंग कमेटी के अध्यक्ष श्री कमलेशभाई पटेल, शहर अध्यक्ष श्री प्रेक्काभाई शाह, गुजरात कानूनी सेवा प्राधिकरण के प्रोजेक्ट अधिकारी डॉ. एम.ए. पीपराणी, विद्यालय के प्रधानाचार्य, शिक्षक, अभिभावक तथा बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

अहमदाबाद मंडल पर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक आयोजित; ई पत्रिका ‘आश्रम सौरभ’ के 55वें अंक का विमोचन



पश्चिम रेलवे के मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, अ ह म द। बा। द में दिनांक 24.06.2026 को मंडल रेल प्रबंधक (DRM) श्री वेद प्रकाश की अध्यक्षता में ‘मंडल राजभाषा क। य। र्वा य न समिति’ की बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर मंडल की ई-पत्रिका ‘आश्रम सौरभ’ के 55वें अंक का विमोचन किया गया।

प्रेमचंद जयंती एवं प्रश्न-मंच का आयोजन
बैठक से पूर्व हिंदी साहित्य के युगप्रवर्तक प्रेमचंद जी की जयंती मनाई गई। राजभाषा विभाग द्वारा उनके जीवनवृत्त एवं साहित्य पर एक रोचक प्रस्तुति दी गई। इस अवसर पर आयोजित ‘हिंदी प्रश्न-मंच’ में रेलकर्मियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। जिसमें विजेताओं को मंडल रेल प्रबंधक द्वारा पुरस्कृत किया गया।

राजभाषा के उत्कृष्ट प्रयोग हेतु सम्मान
सरकारी कामकाज में राजभाषा के प्रयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ‘राजभाषा रत्न’ प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत मंडल के 08 अधिकारियों एवं कर्मचारियों को नकद पुरस्कार तथा प्रमाण-पत्र प्रदान सम्मानित किया गया।

दैनिक कार्यों में सरल हिंदी के प्रयोग पर जोर
मण्डल के सभी विभागों की टीमों तैयार कर उनके मध्य मण्डल स्तरीय प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी जिससे राजभाषा के प्रचार प्रसार को गति मिलेगी। उन्होंने कहा, “राजभाषा केवल पत्राचार की भाषा नहीं है, बल्कि संवाद को जीवंत और पारदर्शी बनाने का एक सशक्त माध्यम है। जब हम दैनिक कार्यों में आम बोलचाल की सरल हिंदी का प्रयोग करते हैं, तो इससे न केवल कार्यों के निष्पादन में गति आती है, बल्कि आम जनता और रेल यात्रियों के साथ हमारा जुड़ाव भी और अधिक मजबूत होता है। हमें इसे केवल एक औपचारिक दायित्व के रूप में नहीं, बल्कि अपनी सज्ज कार्यशैली का अभिन्न अंग बनाना चाहिए।”

बैठक में अपर मंडल राजभाषा अधिकारी श्रीमती मंजू मीणा, राजभाषा अधिकारी (प्रभारी) श्री हाफिज अली खान सहित मंडल के सभी वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

छोटाउदेपुर: आदिवासी कौशल से वैश्विक स्पोर्ट्स मैनुफैक्चरिंग तक गुजरात की नई छलांग

► **VGRC मध्य गुजरात 2026 में प्रस्तुत होगा बांस आधारित स्पोर्ट्स इक्विपमेंट हब का विज़न**
► **खेल, रोजगार और आदिवासी उद्यमिता को जोड़ने वाली विकास की नई कहानी**

गांधीनगर : माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत में खेलों को नई पहचान मिली है जहाँ खेल अब केवल प्रतियोगिता तक सीमित न रहकर आर्थिक विकास, रोजगार सृजन और युवाओं के सशक्तिकरण का प्रभावी माध्यम बन रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री भूपेन्द्र पटेल के नेतृत्व में गुजरात इस दिशा में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। एक ओर राज्य विश्वस्तरीय खेल अवसरचयन विकसित कर रहा है, तो दूसरी ओर खेल आधारित उद्योगों को बढ़ावा देकर ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने का कार्य भी कर रहा है। इसी सोच का एक महत्वपूर्ण उदाहरण मध्य गुजरात के छोटाउदेपुर जिले में विकसित किया जा रहा स्पोर्ट्स

इक्विपमेंट मैनुफैक्चरिंग हब है, जो स्थानीय संसाधनों और पारंपरिक कौशल को वैश्विक अवसरों से जोड़ने की दिशा में एक अभिनव पहल बनकर उभर रहा है। **VGRC मध्य गुजरात में आकर्षण का केंद्र बननेवा छोटाउदेपुर मॉडल** वडोदरा स्थित VGSC युनिवर्सिटी में 29 और 30 जून 2026 को आयोजित होने वाली वाइब्रेंट गुजरात रोजनल कॉन्फ्रेंस (VGRC) मध्य गुजरात में छोटाउदेपुर के इस महत्वाकांक्षी स्पोर्ट्स इक्विपमेंट हब को विशेष रूप से प्रस्तुत किया जाएगा। सम्मेलन के दौरान निवेशकों और उद्योग प्रतिनिधियों के समक्ष जिले में उपलब्ध बांस संसाधन, कुशल मानव-शक्ति, संभावित औद्योगिक

क्लस्टर विकास तथा वैश्विक बाजारों से जुड़ने की संभावनाओं को विस्तार से रखा जाएगा। यह पहल केवल एक औद्योगिक परियोजना नहीं है बल्कि आदिवासी कौशल, स्थानीय उद्यमिता और आधुनिक अर्थव्यवस्था के बीच एक सशक्त सेतु स्थापित करने का प्रयास है। यदि यहाँ बांस आधारित उत्पाद निर्माण से लेकर ब्रांडिंग और विपणन तक की पूरी मूल्य श्रृंखला स्थानीय स्तर पर विकसित होती है, तो छोटाउदेपुर भविष्य में टिकाऊ औद्योगिक विकास और आत्मनिर्भर ग्रामीण अर्थव्यवस्था का एक सफल मॉडल बन सकता है। **क्या है छोटाउदेपुर मॉडल की विशेषता?** छोटाउदेपुर लंबे समय से बांस शिल्प, लकड़ी के काम और पारंपरिक कारीगरी के लिए जाना जाता है। अब इन्हीं पारंपरिक कौशलों को आधुनिक डिजाइन, नई तकनीकों और वैश्विक बाजार की मांगों के अनुरूप विकसित

कर स्पोर्ट्स इक्विपमेंट निर्माण से जोड़ने की दिशा में योजनाबद्ध प्रयास किए जा रहे हैं। दुनिया भर में पर्यावरण-अनुकूल और टिकाऊ उत्पादों की मांग तेजी से बढ़ रही है। क्रिकेट बैट, स्टीरिंग, प्रशिक्षण उपकरण, आउटडोर गेम्स एक्सेसरीज और अन्य खेल सामग्रियों में बांस तथा प्राकृतिक संसाधनों के उपयोग की संभावनाएं लगातार बढ़ रही हैं। छोटाउदेपुर के पास उपलब्ध प्राकृतिक संसाधन और स्थानीय कारीगरों का अनुभव इस अवसर को एक सशक्त उद्योग में बदलने की क्षमता रखता है। इस मॉडल की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें ‘सस्टेनेबल मैनुफैक्चरिंग’ और ‘कल्चरल ब्रांडिंग’ दोनों को साथ से लेकर चलने का प्रयास किया जा रहा है। बांस आधारित उत्पाद, हल्के वजन वाली सामग्री और पुनर्चक्रण योग्य घटकों का उपयोग आज वैश्विक खेल उद्योग की नई आवश्यकता बनता जा रहा है। अनुमान है कि वर्ष 2024 में

स्मार्ट स्पोर्ट्स इक्विपमेंट बाजार का आकार लगभग 3.14 बिलियन अमेरिकी डॉलर था, जो वर्ष 2030 तक 10.7 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर (CAGR) से बढ़ने की संभावना रखता है। सेंसर आधारित गेंदों, स्मार्ट रैकेट और वेयरबल फिटनेस तकनीकों की मांग भी तेजी से बढ़ रही है। **क्यों महत्वपूर्ण है यह पहल?** वर्ष 2024 में वैश्विक खेल उपकरण बाजार का आकार लगभग 407 बिलियन अमेरिकी डॉलर आंका गया था। आने वाले वर्षों में इस क्षेत्र में निरंतर विस्तार की भी संभावना है। भारत में वर्तमान में 300 से अधिक प्रकार के खेल उपकरणों का उत्पादन किया जाता है। देश का स्पोर्ट्स इक्विपमेंट बाजार वर्ष 2023 में लगभग 24.9 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच चुका था और वर्ष 2030 तक इसमें 13 प्रतिशत से अधिक की वार्षिक वृद्धि का अनुमान है। ऐसे समय में नए उत्पादन केंद्रों की आवश्यकता लगातार बढ़ रही है और छोटाउदेपुर इस दिशा में

एक संभावित उभरते केंद्र के रूप में देखा जा रहा है। **स्थानीय युवाओं और कारीगरों के लिए खुल सकते हैं नए अवसर** इस पहल का सबसे बड़ा लाभ स्थानीय युवाओं, महिलाओं, स्टीरिंग और सुक्ष्म एवं लघु उद्यमों को मिलने की संभावना है। कच्चे माल की उपलब्धता से लेकर उत्पादन, डिजाइन, पैकेजिंग, ब्रांडिंग और विपणन तक की पूरी प्रक्रिया में स्थानीय भागीदारी बढ़ेगी। इसके साथ ही स्पोर्ट्स रिसर्च सेंटर, प्रशिक्षण संस्थान, स्पोर्ट्स टूरिज्म जोन और ग्रीन मैनुफैक्चरिंग इकाइयों के विकास की दिशा में भी रोडमैप तैयार किया गया है। वर्तमान में देश में खेल एवं स्पोर्ट्स अपैरल क्षेत्र से 5 लाख से अधिक लोग प्रत्यक्ष रूप से जुड़े हुए हैं। ऐसे में छोटाउदेपुर जैसे जिले में इस क्षेत्र का विकास ग्रामीण अर्थव्यवस्था और स्थानीय रोजगार को नई गति दे सकता है। **खेल विकास को व्यापक दृष्टि से**

देख रहा है गुजरात गुजरात सरकार खेलों को केवल प्रतियोगिता या मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक विकास के एक महत्वपूर्ण साधन के रूप में देख रही है। खेल महाकुंभ, एवं लघु उद्यमों को मिलने की संभावना है। कच्चे माल की उपलब्धता से लेकर उत्पादन, डिजाइन, पैकेजिंग, ब्रांडिंग और विपणन तक की पूरी प्रक्रिया में स्थानीय भागीदारी बढ़ेगी। इसके साथ ही स्पोर्ट्स रिसर्च सेंटर, प्रशिक्षण संस्थान, स्पोर्ट्स टूरिज्म जोन और ग्रीन मैनुफैक्चरिंग इकाइयों के विकास की दिशा में भी रोडमैप तैयार किया गया है। वर्तमान में देश में खेल एवं स्पोर्ट्स अपैरल क्षेत्र से 5 लाख से अधिक लोग प्रत्यक्ष रूप से जुड़े हुए हैं। ऐसे में छोटाउदेपुर जैसे जिले में इस क्षेत्र का विकास ग्रामीण अर्थव्यवस्था और स्थानीय रोजगार को नई गति दे सकता है। **खेल विकास को व्यापक दृष्टि से**

ध्यान में रखते हुए विश्वस्तरीय खेल अवसरचयन और आधुनिक परिवहन सुविधाओं के विकास हेतु 1,278 करोड़ से अधिक की विशेष योजना तैयार की गई है। अहमदाबाद में विकसित हो रहा सरदार वल्लभभाई पटेल स्पोर्ट्स एन्क्लेव, नरेन्द्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम, भारत में प्रस्तावित ओलंपिक विलेज, नागपुरा का वीर सावरकर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स तथा कराई में निर्माणधीन एथलेटिक्स स्टेडियम इस व्यापक दृष्टिकोण के प्रमुख उदाहरण हैं। लिया था, वहीं वर्ष 2025-26 में यह संख्या बढ़कर लगभग 71 लाख तक पहुंच गई है। राज्य की 230 से अधिक विद्यालयों में 1.21 लाख से अधिक बच्चों को खेल प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। खेल क्षेत्र को और अधिक सशक्त बनाने के लिए वर्ष 2026-27 के राज्य बजट में 1,331 करोड़ का प्रावधान किया गया है। इसके अलावा, अहमदाबाद में प्रस्तावित 2030 कॉमनवेल्थ गेम्स को